

131 1/3

16¹¹ - आज यह पञ्जाबी वारीगण की ओर से उपनिषद् प्राप्त करने पर राष्ट्रिय पेश में ली गयी। उपनिषद्/वारीगण की ओर से एक उपनिषद् प्राप्त कर निवेदन किया गया की पञ्जाबियों के महान् आपसी सम्बन्ध, एवं लोक शान्ति की भावना से यज्ञीयता हो गयी है। वारीगण अपने हस्ते को सुधिस रखने हुए हाक इसी हजेर पर निद्रावत में करिष करवाना चाहते हैं। वारीगण की पहचान एड. श्री बालचन्द्र पाट हाक की गयी। वारीगण का उपनिषद् एनीमल कर वारीगण का हाक इसी हजेर पर निद्रावत में करिष किया जाता है। पञ्जाबी गणनापन से कम होकर राष्ट्रिय इच्छा हो।

उपनिषद्
श्री. श्री. राजाराम
Identified by
[Signature]
[Name]



उपनिषद् अधिकारी
संस्कृत संस्थान